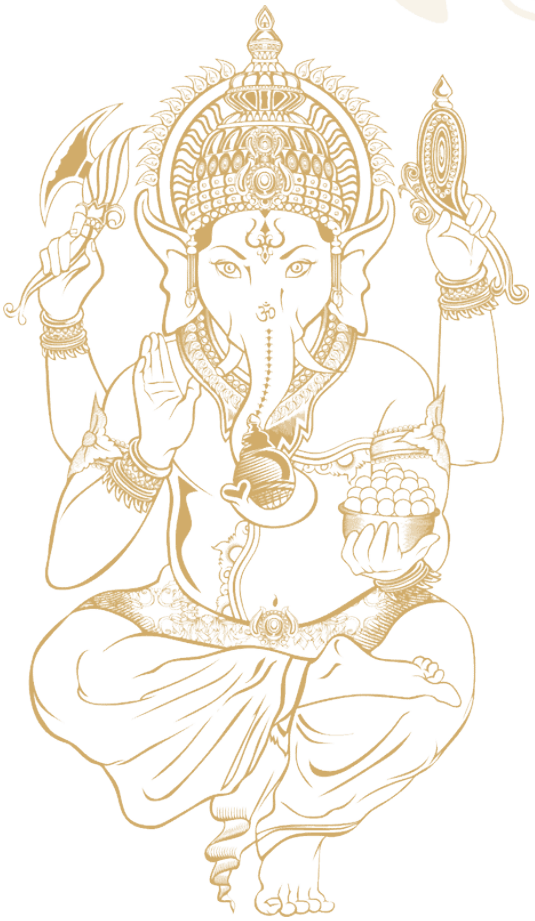

Aishvika

23 Jun 2025

12:09 PM

Faridabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121626903

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/06/2025**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**12:09:00 घंटे**
इष्ट	16:50:45 घटी
स्थान	**Faridabad**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:24:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:48:12 घंटे
वेलान्तर	-00:02:16 घंटे
साम्पातिक काल	05:54:57 घंटे
सूर्योदय	05:24:41 घंटे
सूर्यास्त	19:21:18 घंटे
दिनमान	13:56:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	07:51:10 मिथुन
लग्न के अंश	04:40:27 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	धृति
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ए-एकलव्य
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	04:40:27	318:43:39	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	---
सूर्य			मिथु	07:51:10	00:57:16	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	सम राशि
चंद्र			वृष	08:04:12	14:48:33	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मूलत्रिकोण
मंगल			सिंह	09:07:27	00:34:06	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
बुध			कर्क	00:54:08	01:27:45	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
गुरु		अ	मिथु	08:50:24	00:13:43	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	23:26:23	01:04:07	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	सम राशि
शनि			मीन	07:23:24	00:01:59	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	27:45:58	00:08:57	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	27:45:58	00:08:57	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	05:06:41	00:03:04	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप			मीन	07:55:30	00:00:23	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो	व		मक	09:05:00	00:01:09	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	04:37:50	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:49

लग्न-चलित

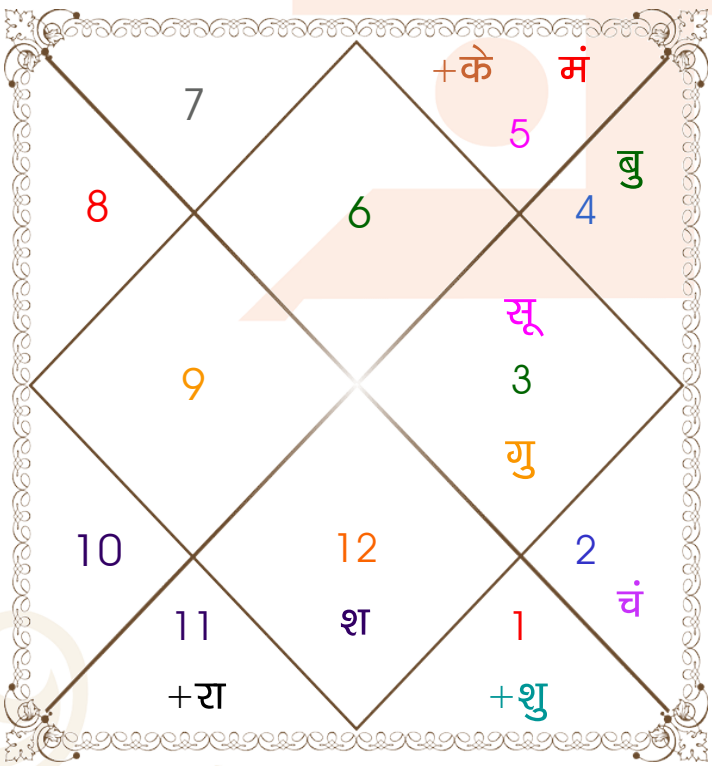

चन्द्र कुंडली

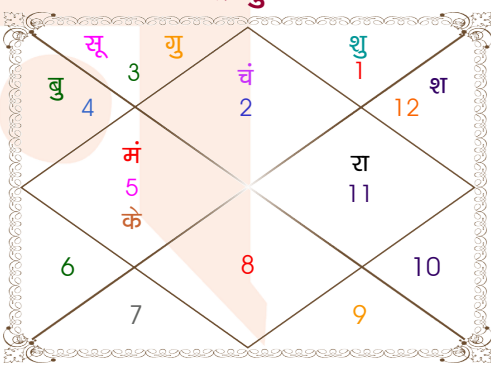

नवमांश कुंडली

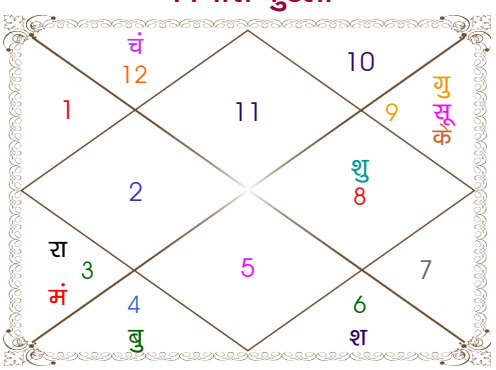

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 10 मास 12 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
23/06/2025		06/05/2026		06/05/2036		06/05/2043		06/05/2061	
06/05/2026		06/05/2036		06/05/2043		06/05/2061		06/05/2077	
	00/00/0000	चंद्र	07/03/2027	मंगल	02/10/2036	राहु	17/01/2046	गुरु	24/06/2063
	00/00/0000	मंगल	06/10/2027	राहु	20/10/2037	गुरु	11/06/2048	शनि	04/01/2066
	00/00/0000	राहु	06/04/2029	गुरु	26/09/2038	शनि	18/04/2051	बुध	11/04/2068
	00/00/0000	गुरु	06/08/2030	शनि	05/11/2039	बुध	05/11/2053	केतु	18/03/2069
	00/00/0000	शनि	06/03/2032	बुध	01/11/2040	केतु	23/11/2054	शुक्र	17/11/2071
	00/00/0000	बुध	05/08/2033	केतु	30/03/2041	शुक्र	23/11/2057	सूर्य	04/09/2072
	00/00/0000	केतु	06/03/2034	शुक्र	31/05/2042	सूर्य	18/10/2058	चंद्र	04/01/2074
	23/06/2025	शुक्र	05/11/2035	सूर्य	05/10/2042	चंद्र	17/04/2060	मंगल	11/12/2074
शुक्र	06/05/2026	सूर्य	06/05/2036	चंद्र	06/05/2043	मंगल	06/05/2061	राहु	06/05/2077

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
06/05/2077		06/05/2096		07/05/2113		07/05/2120		07/05/2140	
06/05/2096		07/05/2113		07/05/2120		07/05/2140		24/06/2145	
शनि	09/05/2080	बुध	02/10/2098	केतु	03/10/2113	शुक्र	06/09/2123	सूर्य	24/08/2140
बुध	17/01/2083	केतु	30/09/2099	शुक्र	03/12/2114	सूर्य	05/09/2124	चंद्र	23/02/2141
केतु	26/02/2084	शुक्र	31/07/2102	सूर्य	10/04/2115	चंद्र	07/05/2126	मंगल	01/07/2141
शुक्र	27/04/2087	सूर्य	07/06/2103	चंद्र	09/11/2115	मंगल	07/07/2127	राहु	25/05/2142
सूर्य	08/04/2088	चंद्र	05/11/2104	मंगल	06/04/2116	राहु	07/07/2130	गुरु	14/03/2143
चंद्र	08/11/2089	मंगल	03/11/2105	राहु	25/04/2117	गुरु	07/03/2133	शनि	24/02/2144
मंगल	17/12/2090	राहु	22/05/2108	गुरु	01/04/2118	शनि	07/05/2136	बुध	30/12/2144
राहु	23/10/2093	गुरु	28/08/2110	शनि	11/05/2119	बुध	08/03/2139	केतु	07/05/2145
गुरु	06/05/2096	शनि	07/05/2113	बुध	07/05/2120	केतु	07/05/2140	शुक्र	24/06/2145

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 10 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरूष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।